राष्ट्रीय राजमार्गों की खामियों को दूर करना

280. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय राजमार्गों की आवश्यकता की तुलना में सड़कों की खराब स्थिति और कम उपलब्धता के कारण 60,000 लोगों की मृत्यु हो रही है और लगभग 2,75,000 लोग घायल हो रहे हैं तथा देश को प्रतिवर्ष लगभग 15,000 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हो रहा है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार का क्या मूल्यांकन है;

(ग) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों की खामियों को दूर करने के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबेन्द्र प्रधान): (क) जी नहीं।

(ख) ड्राइवर की गलती दुर्घटना का मुख्य कारण होता है।

(ग) से (घ) राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास और रख-रखाव एक सतत प्रक्रिया है और सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को उपलब्ध संसाधनों से यातायात योग्य स्थिति में रखने के प्रयास किए जाते हैं।

Growth of Cargo at Ports

281. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the growth of cargo at Ports in the country is down from +20.4% in June, 1997 to −5.4% in June, 1998;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the corrective action being taken by Government?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (DR. DEBENDRA PRADHAN): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) During the month of June, 1998, the decline in traffic at Major Ports in respect of Petroleum products, Iron ore and finished fertilizers was to the extent of about 11.50%, 13.50%, 40.20% respectively as compared to the corresponding month of the previous year. The decline in traffic is mostly on account of reasons attributable to user interests. In case of Kandla Port it can be attributed to Cyclone which hit the port in June' 98. After the repair of cyclone damages, the port is now functioning normally.

उत्तर प्रदेश में राजमार्गों के रख-रखाव हेतु निधि-आवंटन

282. **श्री मुनव्वर हसन:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में विभिन्न राजमार्गों के लिए आवंटित निधि कितनी थी;

(ख) क्या आवंटित निधि का पूरा उपयोग किया गया था;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) आगामी तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश के विभिन्न राजमार्गों को चौड़ा करने, उनकी मरम्मत आदि हेतु कितनी राशि आवंटित की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० देबेन्द्र प्रधान): (क) गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव के लिए जिसके लिए संवैधानिक रूप से केन्द्र सरकार जिम्मेदार है, निम्नलिखित धनराशि आवंटित की गई: